ओम् शान्ति 20-02-20 मधुबन

प्राणप्यारे अव्यक्त मूर्त मात-पिता बापदादा के अति स्नेही, अपनी सच्ची दिल से भोलानाथ बाप को राज़ी करने वाले, सदा पवित्रता का व्रत लेने वाले, ब्रह्माचारी निमित्त टीचर्स बहिनें तथा देश विदेश के सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद के साथ आज त्रिमूर्ति शिव जयन्ती सो गीता जयन्ती, सो स्वर्णिम युग जयन्ती की सबको बहुत-बहुत दिल से स्नेह भरी बधाईयां।

हम सभी अपने अति प्रिय शिव भोलानाथ बाप की हीरे तुल्य त्रिमूर्ति शिवजयन्ती बड़े उमंग-उत्साह के साथ मनाते, झण्डा फहराते, स्व-परिवर्तन और विश्व परिवर्तन निमित्त प्रतिज्ञायें करते, साथ-साथ अनेक आत्माओं को शिवबाबा के अवतरण का दिव्य सन्देश देने की सेवायें करते हैं। सर्व के कल्याणकारी, स्वयंभू परमात्मा शिव इस धरा पर पिछले 84 वर्षो से अवतरित हो, विश्व परिवर्तन का महान कार्य गुप्त रीति से कर रहे हैं, बाबा कहते बच्चे यह शुभ सन्देश हर आत्मा तक पहुंचना चाहिए। इस सन्देश से कोई भी आत्मा वंचित न रह जाए, इसके लिए हम सबको जो बाबा का पहला-पहला वरदान मिला है "बी होली, बी योगी'', उसका प्रैक्टिकल स्वरूप बन अपनी श्रेष्ठ चलन और चरित्र द्वारा बाप को प्रत्यक्ष करना है। जब चारों ओर "यही है, यही है''.. की आवाज के साथ जयजयकार का नारा बुलन्द हो तब विश्व परिवर्तन का महान कार्य सम्पन्न हो और हर आत्मा मुक्ति और जीवनमुक्ति का वर्सा जन्म सिद्ध अधिकार के रूप में प्राप्त कर सके। इसी शुभ भावना से अब रही हुई सेवाओं को जल्दी से जल्दी सम्पन्न करना है साथ-साथ विशेष तीव्र पुरुषार्थ कर अपनी कर्मातीत स्थिति को प्राप्त कर सम्पूर्ण बनना है। बोलो, यही लक्ष्य है ना!

देखो, मधुबन वरदान भूमि में यह विशेष त्योहार एक सप्ताह तक चलता है। बाबा के सभी स्थानों पर सभी भाई बहिनें मिलकर झण्डा फहराते , मुख मीठा करते, खुशियां मनाते हैं। पिछले वर्ष की भांति बेहद सेवाओं निमित्त इस वर्ष भी शान्तिवन के पास एक स्कूल में बहुत सुन्दर 5 दिन के लिए "महा शिवरात्रि महोत्सव'' का आयोजन किया गया है, जिसमें अमरनाथ गुफा, 12 ज्योर्तिलिंग दर्शन विशेष आकर्षण का केन्द्र है। चारों ओर के गांवों से अनेकानेक लोग इस मेले के दर्शनार्थ आते रहते हैं।

बापदादा की सीज़न के इस सेवा टर्न में भोपाल ज़ोन के भाई बहनें पहुंचे हुए हैं। साथ में डबल विदेशी भाई बहिनें भी काफी संख्या में आये हुए हैं, जो बहुत अच्छी ज्ञान की गहरी रूहरिहान करते विशेष तपस्या कर रहे हैं। विदेश की सभी मुख्य बड़ी बहिनें भी इस समय मधुबन में हैं। शिव रात्रि के पश्चात स्व-उन्नति और विश्व सेवा निमित्त सभी मिलकर पूरे वर्ष के प्लैन्स बनायेंगे।

हम सबकी प्रेरणास्रोत दादी जानकी जी का कुछ समय से स्वास्थ्य ठीक न होने कारण वे अहमदाबाद मेमनगर सेवाकेन्द्र पर हैं, 2-3 दिन में मधुबन आ जायेंगी। उन्होंने अहमदाबाद से विशेष सभी को यादप्यार और शिवजयन्ती की बधाईयां दी हैं।

बाकी हम सबकी अति प्रिय बापदादा का अनमोल रथ दादी गुल्जार जी अभी तक मुम्बई गामदेवी सेवाकेन्द्र पर ही हैं। सभी ब्राह्मण बच्चों का विशेष संकल्प बापदादा के पास पहुंचता रहता है, बापदादा अवश्य बच्चों की आश पूरी कर दादी जी को मधुबन लेकर आयेंगे। बापदादा के इस गुप्त पार्ट में हम सभी सदा राज़ी रह ड्रामा के पट्टे पर अचल अडोल हैं। अच्छा!

सभी को बहुत-बहुत स्नेह सम्पन्न याद... ओम् शान्ति।